पांचवीं वार्षिक एपीए रिपोर्ट

सन्दर्भ: केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने पांचवीं वार्षिक एपीए रिपोर्ट जारी की है।

- सीबीडीटी का अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता (एपीए) कार्यक्रम भारत में निवेशक-अनुकूल कर व्यवस्था को बढ़ावा देता है।
- हाल की चौथी और पांचवीं वार्षिक एपीए रिपोर्ट में क्षेत्रीय वितरण, लेनदेन के प्रकार और हस्तांतरण मूल्य निर्धारण के तरीके शामिल हैं।
- पांचवीं रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2022-23 तक का डेटा शामिल है, जिसमें 95 समझौतों के साथ रिकॉर्ड-उच्च एपीए स्थिति दिखाई गई है।
- वित्त वर्ष 2022-23 में, 32 द्विपक्षीय अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौतों (बीएपीए) पर हस्ताक्षर किए गए, जो मजबूत अंतरराष्ट्रीय संबंधों को प्रदर्शित करते हुए पिछले आंकड़ों से दोगुना है।
- 24 मार्च, 2023 को एक ही दिन में 21 एपीए पर हस्ताक्षर करने का रिकॉर्ड बना है।
- इस एपीए (अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता) कार्यक्रम में इस वर्ष हस्ताक्षरित 400वां एकपक्षीय एपीए (यूएपीए) और 500वां एपीए शामिल है।

एपीए कार्यक्रम:

- **एपीए कार्यक्रम का शुभारंभ:**
  - भारत में एपीए (अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता) कार्यक्रम 2012 में वित्त अधिनियम, 2012 के माध्यम से शुरू किया गया था।
  - इसने एपीए के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करते हुए आयकर अधिनियम, 1961 में धारा 92 सीसी और 92 सीडी पेश की थी।
- **उद्देश्य:**
  - एपीए करदाताओं और कर अधिकारियों के बीच किये जाने वाले समझौते हैं।
  - इन्हें भविष्य के वर्षों के लिए करदाता के अंतर्राष्ट्रीय लेनदेन के लिए स्थानांतरण मूल्य निर्धारण पद्धति निर्धारित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **अवधि और शर्तें:**
  - एक बार एपीए हो जाने के बाद, पूर्व निर्धारित नियमों और शर्तों को पूरा करने के आधार पर, सहमत हस्तांतरण मूल्य निर्धारण पद्धति को एक विशिष्ट अवधि के लिए लागू किया जाता है।
- **एपीए के प्रकार:**
  - **एकतरफा एपीए**: इसमें केवल करदाता और करदाता के गृह देश का कर प्राधिकरण शामिल है।
  - **द्विपक्षीय एपीए (बीएपीए):** इसमें विदेशी करदाता, देश में करदाता, करदाता के गृह देश का कर प्राधिकरण और विदेशी कर प्राधिकरण के संबद्ध उद्यम (एई) शामिल हैं।
  - **बहुपक्षीय एपीए (एमएपीए):** इसमें करदाता, विभिन्न विदेशी देशों में दो या दो से अधिक एई, करदाता के गृह देश के कर प्राधिकरण और एई के कर अधिकारी शामिल हैं।
- **एपीए कार्यक्रम का महत्व**:
  - **व्यापार करने में आसानी**: एपीए कार्यक्रम व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने के भारत सरकार के उद्देश्य के अनुरूप है।
  - **सीमा पार लेनदेन**: यह सीमा पार लेनदेन के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है, क्योंकि यह स्पष्ट और सहमत मूल्य निर्धारण पद्धति स्थापित करने में मदद करता है, जिससे विवादों की संभावना कम हो जाती है।

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT):

- सीबीडीटी केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- यह भारत की आधिकारिक वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स इकाई के रूप में कार्य करती है।
- सीबीडीटी वित्त मंत्रालय में राजस्व विभाग के तहत कार्य करता है।
- इसकी उत्पत्ति केंद्रीय राजस्व बोर्ड से हुई, जो 1964 में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड में विभाजित हो गया।
- सीबीडीटी में एक अध्यक्ष और छह सदस्य शामिल हैं,जो प्रत्येक विशिष्ट क्षेत्रों की देखरेख करते हैं।
- सीबीडीटी के सदस्यों का चयन भारतीय राजस्व सेवा (IRS) से किया जाता है।
- सीबीडीटी प्रत्यक्ष कर एकत्र करने, कर नीतियां बनाने, आयकर विभाग की निगरानी करने, विधायी परिवर्तन का सुझाव देने, कर दर समायोजन का प्रस्ताव करने और सरकारी नीतियों के साथ कराधान को संरेखित करने से संबंधित है।

स्टेम सेल (कोशिका) थेरेपी

सन्दर्भ: दिल्ली उच्च न्यायालय ने हाल ही में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) से पीड़ित दो बच्चों के लिए स्टेम सेल थेरेपी को मंजूरी दे दी।

- **स्टेम सेल क्या हैं?**
  - स्टेम कोशिका विशेष मानव कोशिकाएं होती हैं जिनमें शरीर में विभिन्न प्रकार की कोशिकाएं बनने की क्षमता होती है, जैसे मांसपेशी कोशिकाएँ या मस्तिष्क कोशिकाएँ इत्यादि।
- **स्टेम सेल के गुण**:
  - स्टेम कोशिकाएँ अधिक और समान कोशिकाएँ बनाने के लिए विभाजित हो सकती हैं।
  - वे विशिष्ट कार्यों वाली विशेष कोशिकाओं में विकसित हो सकते हैं।
- **स्टेम सेल के प्रकार:**
  - मानव जीवन के विभिन्न चरणों में गठन के आधार पर:
    - **भ्रूण स्टेम कोशिकाएँ**: केवल विकास के शुरुआती चरणों में मौजूद होते हैं।
    - **वयस्क स्टेम कोशिकाएँ**: ये विभिन्न अंगों में पाया जाता है और वयस्क ऊतकों की मरम्मत के लिए गुणन कर सकता है। ये बहुत शक्तिशाली होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे सीमित प्रकार की कोशिकाएँ बना सकते हैं।

- **प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल (IPSC):** इसे शरीर की कोशिकाओं से प्रयोगशाला में बनाया जाता है। वे भ्रूणीय स्टेम कोशिकाओं के साथ अपने गुण साझा करते हैं।

- विशिष्ट कोशिकाओं में विकसित होने की क्षमता के आधार पर:
  - **टोटीपोटेंट स्टेम सेल**: मानव शरीर में किसी भी प्रकार की कोशिका बन सकती है।
  - **प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल**: भ्रूण के विकास के लिए आवश्यक कोशिकाओं को छोड़कर अधिकांश कोशिका प्रकारों में अंतर कर सकता है। इसमें ईएससी (भ्रूण स्टेम सेल) और आईपीएससी शामिल हैं।
  - **शक्तिशाली स्टेम कोशिकाएँ**: सीमित संख्या में विशिष्ट कोशिका प्रकार को जन्म दे सकता है।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिस्ऑर्डर

- ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) लोगों के बातचीत करने, संवाद करने, सीखने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करता है। ये लक्षण आमतौर पर जीवन के पहले दो वर्षों में दिखाई देते हैं।
- ASD में संचार संबंधी कठिनाइयाँ, प्रतिबंधित रुचियाँ, दोहराए जाने वाले व्यवहार भी शामिल होते हैं जो दैनिक जीवन को प्रभावित करते हैंयद्यपि इसका निदान DSM-5 का उपयोग करके किया जाता है।
- एएसडी के लक्षणों और गंभीरता में अंतर होता है। यह सभी पृष्ठभूमि के लोगों को प्रभावित कर सकता है, और इसका उपचार दैनिक कामकाज को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।
- अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स द्वारा सभी बच्चों के लिए ऑटिज्म की जांच की सिफारिश की जाती है।
- सामान्य संकेतों में सीमित नेत्र संपर्क, संचार चुनौतियां, दोहरावदार व्यवहार और संवेदनशीलताएँ शामिल हैं।
- एएसडी वाले लोगों में स्मृति, दृश्य और श्रवण सीखने और गणित या कला जैसे विशिष्ट विषयों में भी ताकत हो सकती है।

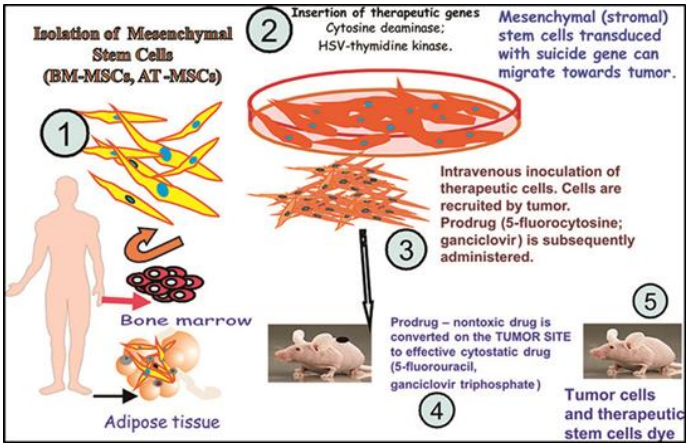

भारतीय संसद का विशेष सत्र

सन्दर्भ: केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की है।

विशेष सत्र में पांच बैठकें होनी तय हैं और सरकार का लक्ष्य संसद में सार्थक चर्चा और बहस करना है।

- सरकार की ओर से सत्र के एजेंडे को उजागर नहीं किया गया है।
- विपक्षी नेताओं ने औपचारिक अधिसूचना के बजाय सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सत्र की घोषणा पर चिंता जताई।

संसदीय सत्र

- सरकार के पास संसद सत्र बुलाने का अधिकार है।
- यह निर्णय संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति द्वारा किया जाता है और राष्ट्रपति द्वारा औपचारिक रूप दिया जाता है, जो सांसदों को एक सत्र के लिए बुलाते हैं।
- भारत में कोई निश्चित संसदीय कैलेंडर नहीं है लेकिन आमतौर पर साल में तीन सत्र आयोजित होते हैं।
- सबसे लंबा सत्र, बजट सत्र, जनवरी के अंत से अप्रैल या मई की शुरुआत तक चलता है, जिसमें बजट चर्चा के लिए अवकाश होता है।
- तीन सप्ताह तक चलने वाला मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई और अगस्त में होता है।
- संसदीय वर्ष का समापन नवंबर और दिसंबर के बीच आयोजित तीन सप्ताह के शीतकालीन सत्र के साथ होता है।

Term	Description
Summoning	- The process of calling all Parliament members to meet. - The duty of the Indian President to summon each House. - Sessions should occur at least twice a year, with a maximum 6-month gap.
Adjournment	- Temporarily suspends a sitting for a specified time (hours, days, or weeks). - Reassembly time is specified. - Only terminates a sitting, not a session. - The power lies with the presiding officer.
Adjournment Sine Die	- Ends a sitting without specifying a reassembly day. - Power held by the presiding officer.
Prorogation	- Terminates a session by presidential order (under article 85(2)(a) of the Constitution). - Ends both the sitting and the session. - Usually follows adjournment sine die. - Lapsed notices require reissuing for the next session.
Dissolution	- Ends the current House's existence, leading to new elections. - Only applies to the Lok Sabha, not the Rajya Sabha. - Can occur automatically after a five-year term or during a national emergency. - Can also be ordered by the President, especially if no party can form a government. - Irrevocable if done before the term's completion.

संवैधानिक प्रावधान

- संविधान का अनुच्छेद 85 संसद को बुलाने की प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करता है और भारत सरकार अधिनियम, 1935 के एक प्रावधान से इसका सत्रावसान करता है।
- अनुच्छेद 85(1) निर्दिष्ट करता है कि राष्ट्रपति को समय-समय पर संसद के प्रत्येक सदन का अपने विवेक के अनुसार सत्र बुलाना चाहिए।
- हालांकि, एक सत्र की अंतिम बैठक और अगले सत्र की पहली बैठक के बीच छह महीने से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए।
- अनुच्छेद 85(2) राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है:
  - सदनों या किसी भी सदन का सत्रावसान करें।
  - जनता के सदन को भंग कर दें।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

2 September, 2023

NEWS IN BETWEEN THE LINES

सौर वेधशाला मिशन

भारत का पहला सौर वेधशाला मिशन, आदित्य-एल1 को ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV) द्वारा श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया।अंतरिक्ष यान को सूर्य-पृथ्वी प्रणाली के लैग्रेंजियन बिंदु 1 (एल1) के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित करने की योजना है जो पृथ्वी से लगभग 15 लाख किमी दूर है।

प्रक्षेपण: 2 सितंबर, 2023 सुबह 11.50 बजे किया गया।

उपग्रह पृथक्करण: प्रक्षेपण के लगभग 63 मिनट बाद, पीएसएलवी आदित्य-एल1 अंतरिक्ष यान को अलग कर देगा, और इसे लगभग 12.53 बजे पृथ्वी की अत्यधिक विलक्षण कक्षा में स्थापित करेगा।

मिशन अवधि: यह मिशन इसरो के PSLV से जुड़े सबसे लंबे मिशनों में से एक है, यद्यपि 2016 के PSLV-C35 मिशन के पास अभी भी सबसे लंबी अवधि का रिकॉर्ड है।

कक्षा समायोजन: प्रक्षेपण के बाद, आदित्य-एल1 16 दिनों तक पृथ्वी की कक्षाओं में रहेगा और अपनी यात्रा के लिए आवश्यक वेग हासिल करने के लिए पांच प्रक्रियाओं से गुजरेगा।

सूर्य की यात्रा: आदित्य-एल1 पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किमी दूर सूर्य की ओर निर्देशित स्थिति तक पहुंचने के लिए अपना 110-दिवसीय प्रक्षेप पथ शुरू करेगा।

वैज्ञानिक लक्ष्य: मिशन का उद्देश्य विभिन्न सौर घटनाओं को समझने के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करना है, जिसमें कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, फ्लेयर गतिविधियां, अंतरिक्ष मौसम की गतिशीलता और कणों और क्षेत्रों का प्रसार शामिल है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA)

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) एक अंतरसरकारी संगठन है जो अंतरिक्ष की खोज के लिए समर्पित है।

स्थापना: 30 मई, 1975

मुख्यालय: पेरिस, फ्रांस

उद्देश्य: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) का प्राथमिक उद्देश्य अपने सदस्य राज्यों की अंतरिक्ष-संबंधित गतिविधियों और प्रयासों का समन्वय करना और यूरोप में अंतरिक्ष अन्वेषण, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना है।

सहयोग:यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) संयुक्त मिशनों और परियोजनाओं पर काम करने के लिए नासा सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसियों के साथ सहयोग करता है।

ईएसए की सहायता भूमिका: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) चंद्रयान -3 की निगरानी के लिए भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान कर रही है, और यह आदित्य-एल 1 मिशन का भी समर्थन करेगी।

ईएसए के सहायता स्थान: यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ESA) ऑस्ट्रेलिया, स्पेन और अर्जेंटीना में स्थित अपने तीन 35-मीटर गहरे अंतरिक्ष एंटेना के माध्यम से आदित्य-एल1 मिशन के लिए सहायता प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, फ्रेंच गुयाना में कौरौ स्टेशन और ब्रिटन में गोनहिली अर्थ स्टेशन से सहायता मिलती है।

परिचालन सहयोग: आदित्य-एल1 मिशन के संचालन के लिए इसरो की रणनीति का मूल्यांकन करने के लिए ईएसए और इसरो टीमों ने अप्रैल से दिसंबर 2022 तक गहन सहयोग किया।

महेन्द्रगिरी

महेंद्रगिरि एक महत्वपूर्ण नौसैनिक निर्माण पहल प्रोजेक्ट 17ए का सातवां और अंतिम स्टील्थ फ्रिगेट है।

लॉन्च समारोह: फ्रिगेट महेंद्रगिरि को मुंबई में मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में एक समारोह के दौरान लॉन्च किया गया।

शुभारंभ: जहाज का शुभारंभ उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की पत्नी सुदेश धनखड़ ने किया।

सुरक्षा महत्व: महेंद्रगिरि के प्रक्षेपण को राष्ट्रीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, विशेष रूप से हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक भारत-प्रशांत में पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के सन्दर्भ में।

जंबू सावरी

जंबू सावरी कर्नाटक के मैसूरु में मनाए जाने वाले दशहरा उत्सव का सबसे प्रतीक्षित और प्रमुख कार्यक्रम है। यह विजयदशमी पर होता है, जो आमतौर पर अक्टूबर में होने वाले दशहरा उत्सव के भव्य समापन का प्रतीक है।

हाथी जुलूस: जम्बू सावरी की केंद्रीय विशेषता मैसूर की सड़कों के माध्यम से सुसज्जित हाथियों का एक भव्य जुलूस है।

लीड टस्कर: अभिमन्यु, लीड टस्कर, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि वह जुलूस के दौरान लगभग 750 किलोग्राम वजन का सुनहरा हावड़ा (अंबारी) लेकर चलता है।

प्रतीकात्मक महत्व: जुलूस मैसूर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और मैसूर के पूर्व शाही परिवार वाडियार की ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है।

टाइगर मच्छर

वैज्ञानिक नाम: एडीज एल्बोपिक्टस, जिसे आमतौर पर टाइगर मच्छर के नाम से जाना जाता है।

उत्पत्ति: टाइगर मच्छर दक्षिण पूर्व एशिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के मूल निवासी हैं।

यूरोप: ये पहली बार 2004 में फ्रांस में पाया गया था, जो यूरोप में उनके परिचय का प्रतीक है।

आक्रामक प्रजातियाँ: टाइगर मच्छरों को उनके तेजी से फैलने और नए क्षेत्रों में स्थापित होने के कारण एक आक्रामक प्रजाति माना जाता है।

भौतिक विशेषताएं: उनकी विशिष्ट काली और सफेद धारीदार उपस्थिति के कारण उन्हें "टाइगर मच्छर" नाम दिया गया है, जो उन्हें अन्य मच्छर प्रजातियों से अलग करता है।

रोग वाहक: टाइगर मच्छर डेंगू बुखार, चिकनगुनिया और जीका वायरस सहित विभिन्न बीमारियों के वाहक माने जाते हैं। वे अपने काटने से इन बीमारियों को मनुष्यों तक पहुंचा सकते हैं।

भौगोलिक प्रसार: पिछले कुछ वर्षों में, टाइगर मच्छर पूरे यूरोप में उत्तर की ओर फैल गए हैं तथा जर्मनी और स्विट्जरलैंड जैसे देशों तक पहुँच गए हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

समुद्री ग्रीष्म लहरें

समुद्री ग्रीष्म लहरें विशिष्ट क्षेत्रों में असामान्य रूप से गर्म समुद्र के तापमान की विस्तारित अवधि हैं।

कारण: वे जलवायु परिवर्तन, अल नीनो घटनाओं और प्राकृतिक समुद्री स्थितियों जैसे कारकों के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती हैं।

प्रभाव: समुद्री ग्रीष्म लहरें पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती हैं, जिससे मूंगा और स्पंज का क्षय, समुद्री पक्षियों की मृत्यु, हानिकारक शैवाल का खिलना, समुद्री शैवाल की कमी और समुद्री स्तनपायी में वृद्धि हो सकती है।

वैश्विक वितरण: वे दुनिया भर में तटीय और खुले समुद्री क्षेत्रों में पाए जाते हैं।

मछली का लचीलापन: हाल के शोध से संकेत मिलता है कि मछली की आबादी आश्चर्यजनक रूप से समुद्री ग्रीष्म लहरों के प्रति लचीली हो सकती है, जिसके प्रभाव अलग-अलग होते हैं और ये प्राया: प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र परिवर्तनशीलता से प्रभावित होते हैं।

मत्स्य पालन प्रभाव: समुद्री ग्रीष्म लहरें के कारण मत्स्य पालन में गिरावट सदैव नही देखी गई है।

स्थानीय बनाम दीर्घकालिक प्रभाव: हालांकि ये अल्पकालिक स्थानीय परिवर्तन का कारण बनते हैं परन्तु दीर्घकालिक परिणाम प्राया: अनुमान से कम गंभीर रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन कनेक्शन: समुद्री ताप तरंगें जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हुई हैं, जो उन्हें जलवायु से संबंधित महासागरीय प्रभावों पर व्यापक चर्चा का हिस्सा बनाती हैं।

समाचारों में स्थान

माइक्रोनेशिया

हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने द्वीप राज्य को आर्थिक सहायता बढ़ाने के लिए माइक्रोनेशिया के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए।

स्थान: माइक्रोनेशिया ओशिनिया का एक उपक्षेत्र है, जो उत्तर-पश्चिमी प्रशांत महासागर में लगभग 2,000 छोटे द्वीपों को कवर करता है।

द्वीपसमूह: माइक्रोनेशिया के प्रमुख द्वीपसमूह में कैरोलीन द्वीप, गिल्बर्ट द्वीप, मारियाना द्वीप और मार्शल द्वीप शामिल हैं।

राजनीतिक विभाजन: माइक्रोनेशिया छह संप्रभु राष्ट्रों में विभाजित है: पलाऊ, संघीय राज्य माइक्रोनेशिया (एफएसएम), किरिबाती, संयुक्त राज्य अमेरिका (गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीप समूह), नाउरू और मार्शल द्वीप गणराज्य।

ऐतिहासिक संदर्भ: माइक्रोनेशिया में मानव बसावट सहस्राब्दियों पहले की है, ऑस्ट्रोनेशियन प्रवासन लगभग 3000-1500 ईसा पूर्व का है। 1521 में मैगलन के अभियान के साथ यूरोपीय संपर्क शुरू हुआ।

द्वीप समूह:

प्रमुख द्वीप समूहों में कैरोलीन द्वीप, गिल्बर्ट द्वीप, मारियाना द्वीप और मार्शल द्वीप शामिल हैं।

समाचारों में स्थान

मंगरी ओरंग

मंगरी ओरंग: औपनिवेशिक भारत में असम के दरांग जिले की एक आदिवासी महिला।

ऐतिहासिक महत्व: 20वीं सदी की शुरुआत में औपनिवेशिक काल के दौरान विदेशी शराब और अफ़ीम की बिक्री के ख़िलाफ़ लड़ाई का नेतृत्व किया।

शहीद: इस लड़ाई में उनके नेतृत्व के लिए 1921 में गोली मार दी गई, जिससे वह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की पहली महिला शहीद बन गईं।

"मालती मेम": हाल ही में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र (एनईआरसी) द्वारा नाटक **"मालती मेम"** के माध्यम से इनकी स्मृत्यों को याद किया गया।

प्रेरणा: उनकी कहानी औपनिवेशिक अन्याय के खिलाफ संघर्ष में साहस और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है, विशेषकर भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में।

POINTS TO PONDER

- **"मिशन गगनयान" में प्रयुक्त CE-20 क्रायोजेनिक इंजन के ईंधन की संरचना क्या है?** - तरल ऑक्सीजन और तरल हाइड्रोजन
- **त्रिपुरा में बोरोक लोग कौन सी भाषा बोलते हैं?** - कोकबोरोक
- **'एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर' के विचार का प्रचार किसने किया ?** - श्री नारायण गुरु
- **हाल ही में किस भारतीय राज्य ने देश का पहला AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) स्कूल लॉन्च करके इतिहास रचा?** - केरल
- **G42 द्वारा जारी उन्नत अरबी लार्ज लैंग्वेज मॉडल का क्या नाम है?** - जैस